

heftiger Regenguss Spr. 4066.

श्राद्धन् Z. 6 lies श्राद्धन् st. श्राद्ध. श्राद्धन्, श्राद्धन्, श्राद्धि und श्राद्ध pflegt man auf श्राद्ध zurückzuführen.

श्राद्ध 1) देवैर्देव्याः महाबलाः । श्राद्धवायु समाहूता जगमुर्देवगणानु-  
या ॥ MĀR. P. 18, 36. प्रावर्तिष्ठाद्धवस्तयोः KATHĀS. 60, 202. °भूमि Kampf-  
platz 116, 53. देहि ममाद्धम् so v. a. kämpfe mit mir BHĀG. P. 10, 66, 6.

श्राद्धवनीयक adj. = श्राद्धवनीय; s. weiter unten u. उपसद् 3).

श्राद्धार 1) b) श्राद्धार, उद्काद्धार, पुष्पाद्धार Schol. zu VS. PRĀT. 3, 57.  
4, 8. — Vgl. श्राद्धार, पत्ताद्धार.

श्राद्धारभूमि (श्रा + भू°) f. Speiseplatz KATHĀS. 39, 102.

श्राद्धार्य (von श्राद्धार), °यति seine Mahlzeit einnehmen Spr. 410.

श्राद्धारिक vgl. WILSON, Sel. Works 1, 309.

श्राद्धार्य 1) a) Ind. St. 8, 80. KATHĀS. 108, 180. 110, 37; vgl. 107, 86. —

c) श्राद्धार्यैर्नियमानं हि त्वाणं दुःखेन दृश्यताम् । क्षायामात्रकमेवेदं पश्येदु-  
द्काविन्दुवत् ॥ KĀM. NĪR. 3, 10. श्राद्धार्यैरसक्तैः सुगन्धानुलेपनवस्त्रालं-  
कारादिभिः Schol. अभिनय ŚĪU. D. 274. Verz. d. Oxf. H. 200, a, 2. — 3)

b) setze Zurüstung, Aufwartung, lies 9, 1, 23 und füge bei TBn. 2, 1, 2.  
12. — c) Nahrung (= भोज्य, भक्ष्यभोज्यादि Schol.; vgl. श्राद्धार) BHĀG. P.  
10, 86, 14. 11, 23, 28.

श्राद्धाव 2) Z. 2. fg. lies 2, 23. 33. 38, streiche व्याद्धावम् bis 37 und vgl.  
dagegen द्वा mit व्या.

श्राद्धिच्छत्र adj. aus Ahikḥhattra oder Ahikḥhattra stammend  
KATHĀS. 72, 46.

श्राद्धिच्छत्रिक m. ein Bewohner von Ahikḥhattra oder Ahikḥ-  
hattra Verz. d. Oxf. H. 217, b, 13.

श्राद्धिण्डक m. = श्राद्धिण्डक MBh. 13, 2389.

श्राद्धितामि ÇĀṆKU. GRH. 1, 13, 10. Verz. d. Oxf. H. 266, a, 4. 269, a, 24.

श्राद्धितुण्डिक Spr. 2900. MUDRĀ. 32, 2.

श्राद्धिवृद्ध n. v. l. für श्राद्धिवृद्ध.

श्राद्धिवृद्ध adj. von श्राद्धिवृद्ध; n. das unter Ahirbudhnja stehende  
Nakshatra Uttarabhadrapadā VARĀH. BRH. S. 9, 33 (श्रा° Druck-

fehler). 10, 17. 13, 24. 23, 8. 32, 20.

श्राद्धक (भिन्न) und श्राद्धकी Verz. d. Oxf. H. 64, b, 4. 5.

श्राद्धल्य Z. 2 lies पीतपुष्प.

श्राद्धत्वय (von द्वा mit श्रा) adj. herbeizurufen KATHĀS. 110, 141. eine  
ungrammatische Form.

श्राद्धति (von द्वा mit श्रा) f. das Heranziehen VARĀH. BRH. S. 31, 12.

श्राद्धोपुरुषिका HALĀJ. 4, 99. पुरमथितुरद्विपुरुषिका (डर्गा) ĀNANDA-  
LAH. 7. निम्नभुजबलाद्धोपुरुषिकां कारं कारम् BUĀMINIV. 1, 79 bei AUF-  
RECHT, HALĀJ. Ind.

श्राद्धिक 1) was am Tage geschieht, — erfolgt: श्राद्ध वापुस्तथा वद्वि-  
रायः खं चापि गालव । श्राद्धिकं चैव नैशं च दुःखं (so die ed. Bomb.) स्पर्श  
विमुञ्चति ॥ MBh. 3, 3814. was täglich vollbracht wird: °कृत्य Verz. d.  
Oxf. H. 291, a, No. 702. श्राद्धार die tägliche Nahrung R. 7, 62, 4. — 2) a)  
Verz. d. Oxf. H. 22, b, 24. 273, a, 3 v. u. 276, b, 39. 277, a, 15 v. u. 285, b.  
No. 669. 286, a, No. 670. Tagesgeschäft KATHĀS. 33, 64; vgl. 12. — b)  
Verz. d. Oxf. H. 228, b, No. 360. — d) Titel zweier Werke über die  
täglich zu beobachtenden religiösen Verrichtungen HALL 21. 203. — Vgl.  
गवाद्धिक.

श्राद्धिकप्रदीप m. Titel eines Werkes Verz. d. Oxf. H. 277, b, 42.

श्राद्धिकप्रयोग m. desgl. HALL 177.

श्राद्धाद् 1) °कारिन् Spr. 3489.

श्राद्धाद्क adj. Freude bereitend, mit Freude erfüllend: जगद्-  
KATHĀS. 91, 5.

श्राद्धादिन् adj. dass.: चन्द्र श्राद्धादी KATHĀS. 90, 133. 94, 37.

श्राद्धा vgl. साद्ध.

श्राद्धान 1) HALĀJ. 1, 134. das Herbeirufen, Citiren (eines Geistes);

KATHĀS. 73, 377. — 6) HALĀJ. 1, 132.

श्राद्धायक nom. ag. (f. °यिका) herbeirufend, auffordernd zu kommen  
KATHĀS. 38, 88. 64, 6. RUFER UTTARAHĀMAK. 93, 1 v. u.

श्राद्धारक, श्राद्धारका: Ind. St. 3, 237. 487. 4. 78. श्राद्धारका: 8, 263. 12.

३

3. ३ Z. 8 lies श्राद्धामि st. श्राद्धामि; Z. 10 श्याम् PAṆĀV. Br. 12, 11, 10.

— 1) श्राद्धन्त् futurus, bevorstehend, beabsichtigt: श्राद्धस्मद्भिप्रायाद्वाज-  
नूयात्क्रतुत्तमात् । निवर्तयामि ich stehe ab von R. 7, 83, 19. श्राद्धभिप्राय-  
मेत्यतो ऽस्मिच्छिकीर्षी प्राप्स्यत इत्यर्थः । निवर्तयामि श्राद्धभिप्रायमिति शेषः  
(vielmehr श्राद्धमानम्) Schol. — 3) ँकारतामेति स एव चास्य (sc. म-  
तेन) ङकारः सन्नभ्यासा संप्रयुक्तः RV. PRĀT. 1, 12. — 9) संकृता पदप्रकृ-  
तिः पदान्तान्पदानिभिः संदर्धेति यत्सा RV. PRĀT. 2, 1. — intens. 2) एको  
नानियते BHĀG. P. 3, 32, 33. इयते बहुधा 10, 48, 19. 83, 24. सुयुतिस्वप्रज्ञा-  
ग्रद्धिर्मायावृत्तिभिरियते 47, 32. इयते प्रसृष्टीनां निर्जितो जयतीति सः 78,  
16. 11, 7, 47. 12, 3, 7. — 3) भगवत्समीमाद्धि (= शरणं व्रजेम Schol.) BHĀG.  
P. 10, 37, 28. तय्युष्मान्वयमीमाद्धि (= भजेम Schol.) 12, 10, 21. — 4) श्रा-  
द्धतन्त्रावबोधेन वैराग्येण दृढेन च । इयते भगवानेभिः dadurch gelangt  
man zu Bhāg. BHĀG. P. 3, 32, 36.

— श्राद्धि 3) mit einom abl. sich trennen von: देहे वा श्रोवतो ऽत्येति  
जीवो वात्येति देहः Spr. 4218. ed. Bomb. des MBh. an beiden Stellen  
श्राद्धयेति; = श्राद्धिर्भवति NILAK. Vgl. u. व्यति 3). — 7) RV. PRĀT. 10, 4.  
11, 4. श्राद्धियते pass. 2. — partic. श्राद्धीति 3) überschritten, überwinden  
VEDĀNTAS. (Allah.) No. 2.

— श्राद्धयति 2) hinübergehen so v. a. verstreichen lassen, versäumen:  
देशकालाश्राद्धयतीति हि विक्रमो निष्फलो भवेत् Spr. 3930. देशकालव्यतीतो  
ed. Bomb. des MBh. — 3) MBh. 7, 1061.

— उपाति vgl. उपात्यय.

— व्यति 3) einen unordentlichen Gang annehmen PAṆĀV. Br. 19.  
8, 6. — 6) vgl. u. श्राद्धयति 2).

— समति 4) übertreffen KĪR. 5, 20.

— श्राद्धि 1. 2) पुत्रो मातरमध्येति PAṆĀV. Br. 17, 1, 13. प्रज्ञापतिरुपस-